

Part - B

- ईकाई प्रथम: भारतीय चित्रकला प्रागैतिहासिक काल से मध्यकाल तक। अंक : 50
- ईकाई द्वितीय: भारतीय कला के मूलतत्व एवं सिद्धान्त; षडेक; भारतीय कला के भारतीय एवं पाश्चात्य मत।
- ईकाई तृतीय: यूरोप की चित्रकला प्रागैतिहासिक काल से उच्च पुनरुत्थान काल की कला तक।
- ईकाई चतुर्थ: लोक कलाओं का परिचय (मध्य प्रदेश की प्रमुख लोक कलाएँ)
- ईकाई पंचम: भारतीय मूर्तिकला परिचय - (प्रागैतिहासिक काल; सिन्धुघाटी, सांची, भरहुत, खजुराहो, मधुरा, गान्धार, सलीफेन्दा)

नोट: पाठ्यक्रम के भाग - A से 1-1 अंक के 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न और भाग - B से 1-1 अंक के 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायें। प्रत्येक ईकाई से 10 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायें।

*[Signature]*  
18/11/2021

*[Signature]*  
18/11/2021

*[Signature]*  
18/11/2021

*[Signature]*  
18/11/2021